I.C.S.E

कक्षा : 10

हिंदी – 2013

समय: 3 घंटे **पूर्णांक :80**

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers.

---

*This Paper comprises of two sections ; **Section A** and **Section B.***

*Attempt **All** the questions from **Section A.***

*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)

Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics : [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए:

(i) अपने परिवार के किसी ऐसे सदस्य का वर्णन कीजिए, जिसने आपको प्रभावित किया हो। बताइए कि उस व्यक्ति के प्रभाव ने आपके जीवन को किस प्रकार परिवर्तित किया? आपके गुणों को निखारने में और अवगुणों को दूर करने में उस व्यकित ने आपकी किस प्रकार सहायता की?

(ii) त्योहार हमें उमंग एवं उल्लास से भरकर अपनी संस्कृति से जोडे रखते हैं। आज-कल लोगों में त्योहारों को मनाने के प्रति उत्साह एवं आस्था का अभाव देखा जाता है। लोगों की इस मानसिकता के कारण बताते हुए जीवन में त्योंहारों के महत्त्व का वर्णन कीजिए।

(iii) वर्तमान युग में इंटरनेट अपनी उपयोगिता के कारण एक आवश्यकता बनता जा रहा है। इस विषय पर अपने विचार प्रकट कीजिए और बताइए कि इंटरनेट जीवन में सुविधा के साथ-साथ मुसीबत किस प्रकार बन जाता है।

(iv) एक कहानी लिखिए, जिसका आधार निम्नलिखित उकित हो :
"परिश्रम ही सफलता का सोपान है।"

(v) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से दिखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए. जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below: [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

1. आपके क्षेत्र में सडकों पर बहुत अधिक पानी जमा हो जाता है, क्योंकि अधिकांश सड़कें टूटी हुई हैं। जगह-जगह 'स्पीड ब्रेकर' यातायात में सहायक न होकर बाधक बन गए हैं। परिस्थिति की पूर्ण जानकारी देते हुए नगर निगम के अधिकारी को शिकायती पत्र लिखिए।
2. आपके विद्यालय में कुछ अतिथि आए थे, जिनकी देखभाल की जिम्मेदारी आपको सौंपी गई थी। अपनी माता जी को पत्र लिखकर बताइए कि वे अतिथि विदयालय में क्यों आए थे और उनके लिए क्या-क्या किया।

Q. 3 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow: [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए:

नामू की माँ ने अपने बेटे से कहा, "जा कुल्हाड़ी लेकर पलाश के पेड़ से कुछ छाल उतार ला।"

"अभी लाया माँ।" कहकर नामू ने कुल्हाड़ी उठाई और जंगल की ओर चल निकल गया । वहाँ उसने पलाश के पेड़ की छाल उतारी और फिर घर की ओर चल पड़ा। रास्ते में विचार करना लगा कि जब मैं कुल्हाड़ी से पेड़ पर प्रहार करता था, तो एक आवाज पेड़ से निकलती थी, कहीं वह आवाज़ पेड़ से निकलती थी कहीं वह आवाज़ पेड़ की कराह तो नहीं थी? जब मैं कुल्हाड़ी से पेड़ पर प्रहार करता होऊँगा, तो पेड़ को पीड़ा भी होती होगी ।

नामू ने घर आकर पलाश की छाल माँ को सौंप दी और स्वंय घर से दूर कुल्हाड़ी लेकर जा बैठा। वहाँ बैठकर कुल्हाड़ी से उसने अपना पैर रगड़ना शुरु किया। रगड़ के साथ पाँव में पीड़ा भी होती थी, खून बहता था और

नामू के मुँह से हल्की-हल्की चीखें भी निकलतीं थी। यह सब उसने पेड़ की उस पीड़ा का अनुभव करने के लिए किया था।

कुछ देर बाद वह घर लौट आया और माँ से खाना माँगा। उसके चेहरे पर पीड़ा की स्पष्ट रेखाएँ उभर आई थीं, मगर वह चुप था।माँ ने देखा, लेकिन कुछ समझी नहीं। एकाएक माँ की दृष्टि उसके कपड़ों पर पड़ी, जो खून से लाल हो चुके थे। माँ ने घबराकर पूछा, ''यह क्या हुआ, नामू ?''

''कुछ नहीं माँ, तुम चिंता मत करो।''

माँ और अधिक घबराकर बोली, ''चिंता कैसे न करुँ बेटा , तेरे शरीर का खून देखकर मैं चिंता नहीं करुँगी, तो फिर कौन चिंता करेगा ?''

नामू कहने लगा, ''माँ, तुमने पलाश की छाल मँगवाई थी, तो कुल्हाड़ी से छाल उतारते हुए मुझे ऐसा अनुभव हुआ कि पेड़ कराह रहा है। और जैसे उसे पीड़ा हो रही है। अपने पाँव पर कुल्हाड़ी की रगड़ से मैं यह जानना चाहता था कि क्या सभी को एक.सी पीड़ा होती है ?''

बेटे की बात सुनकर, माँ का हदय भर आया। माँ की आँखों से आँसूओं की धारा बह निकली। उसने नामू को गले लगाते हुए कहा, ''लगता है, मेरे पुत्र के रुप में किसी संत ने जन्म लिया है।बेटे, तू पराये दु:ख से दु:खी होकर , उस दु:ख का अनुभव करना चाहता था पराया दु:ख भी पेड़ का , जिसमें तुझे प्राण दिखाई दिए। अवश्य ही , तू एक दिन बड़ा संत बनेगा।'' इस प्रकार माँ ने उसे संत बनने का आर्शीवाद दिया।

आगे चलकर यह 'नामू' महाराष्ट्र का प्रसिदध संत हुआ।

वास्तव में दया,धर्म का भाव रखना और दूसरे के दु:ख को महसूस करना संतों का स्वभाव है। आज अपने पर्यावरण को बचाने के लिए नामदेव जैसे संतों की आवश्यता है, जिनके मन में न केवल जीवों के प्रति दया भावना हो, बल्कि पेड़, पौधों के लिए भी अपनेपन का भाव हो। आज के स्वार्थी मानव ने प्रकृति के प्रति जिस प्रकार का व्यवहार किया है, वह निंदनीय है, क्योंकि मानव के लोभ ने धरती के अस्तित्व को ही संकट में डाल दिया है।

1. नामू को माँ ने क्या आदेश दिया था? माँ के आदेश का पालन करते समय उसने क्या विचार किया? [2]

उत्तर :

____

____

____

2. घर आकर नामू ने क्या किया और क्यों? [2]

उत्तर :

____

____

____

3. माँ क्या देखकर चिंतित हुई? उसका हृदय क्यों भर आया? [2]

उत्तर :

____

____

____

4. संत के स्वभाव की क्या विशेषता होती है? आगे चलकर नामू किस रुप में प्रसिदध हुआ? [2]

उत्तर :

____

____

____

5. आपको इस गद्यांश से क्या शिक्षा मिलती है? पेड-पौधों की सुरक्षा क्यों आवश्यक है। [2]

उत्तर :

____

____

____

Q. 4

Answer the following according to the instructions given:

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए: [8]

1. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए: [1]

नीति, साहित्य ।

2. निम्नलिखित शब्दों में से किसी दो शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए: [1]

मार्ग, माता ।

3. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए: [1]

निर्दोष, शांत, पतन, अंत।

4. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए: [1]

आँखों पर पर्दा पड़ना, घुटने टेकना ।

5. भाववाचक संज्ञा बनाइए । [1]

ईश्वर, उत्तम ।

6. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए:

(a) असफल हो जाने परश् उसे भारी दु:ख हुआ।
(वाक्य शुदध कीजिए) [1]

(b) परिश्रमी व्यकित विपत्तियों से नहीं घबराता है। (वचन बदलिए) [1]

(c) <u>जीवन-भर</u> मैं इसी आचरण का पालन करता आया हूँ। (रेखांकित शब्दों के लिए एक शब्द लिखकर वाक्य को पुन: लिखिए) [1]

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.
You must answer at least one question from each of two books you have studied and any two other questions.

<u>गद्य संकलन</u>

Q.5

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए:

श्रीमती जी कुछ रुआँसे स्वर में बोलीं- “इसी विश्वास ने तो सब चौपट कर रखा है। ऐसे ही विश्वास पर सब बैठ जाएँ, तो काम कैसे चले? सब विश्वास पर ही बैठे रहें, तो आदमी काहे को किसी बात के लिए चेष्टा करे?”

‘ताई’

लेखक - विश्वंभरनाथ शर्मा कौशिक

1. श्रीमती जी कौन हैं? उनका परिचय दीजिए। [2]

उत्तर :

2. उपर्युक्त वाक्य किससे कहा गया है तथा उस व्यक्ति का विश्वास क्या है? [2]

उत्तर :

3. वक्ता के दु:ख का कारण क्या है? अपने इस दु:ख का कारण वह किसे मानती है तथा क्यों? [3]

उत्तर :

4. प्रस्तुत कहानी का उद्देश्य स्पष्ट करें। [3]

उत्तर :

Q. 6

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए:

“हमारे विदवान पाठकों में से कोई होता, तो उन मूर्खों को समझाता - “यह संसार क्षण-भंगुर है। इसमें दु:ख क्या ? जो जिससे बनता है, वह उसी में लय जाता है - इसमें शोक और उदवेग की क्या बात है?”

‘खेल’

लेखक- जैनेंद्र

1. पानी से कौन खेल रहा था? वह जब पानी का खेल छोडकर मुडा, तो उसने क्या देखा? [2]

   उत्तर :

   ____

   ____

   ____

2. सुरबाला कौन है? उसके दु:ख का कारण क्या था? [2]

   उत्तर :

   ____

   ____

   ____

3. संसार को क्षण-भंगुर क्यों कहा जाता है? सुरबाला क्या देखकर मौन हो गयी थी? उसे किस चीज ने पिघला दिया? [3]

उत्तर :

4. सिदध कीलिए कि खेल कहानी में बालपन की सरलता का चित्रण किया गया है। इस कहानी के माध्यम से लेखक ने किस सत्य को उजागर किया है? [3]

उत्तर :

Q. 7

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए:

“मतलब साफ है, एकदम साफ कि जहाँ एक युवक ने अपने काम से अपने देश का सिर ऊँचा किया था, वहीं एक युवक ने अपने काम से अपने देश के मस्तक पर कलंक का ऐसा टीका लगाया, जो जाने कितने वर्षों तक संसार की आँखों में उसे लांछित करता रहा।”

‘मैं और मेरा देश’

लेखक - कन्हैयालाल मिश्र ‘प्रभाकर’

1. देश का सिर ऊँचा करने वाला युवक किस देश का नागरिक था? उसने किस प्रकार अपने देश का सिर ऊँचा किया? [2]

   उत्तर :

   ____

   ____

   ____

2. देश के मस्तक पर कलंक का टीका लगाने वाला युवक कौन था? उसने क्या किया था? [2]

   उत्तर :

   ____

   ____

   ____

3. उक्त दोनों घटनाओं से क्या स्पष्ट होता है? आप आपने देश का गौरव बढाने के लिए क्या-क्या कर सकते हैं? [3]

उत्तर :

____

____

____

____

4. महत्व किसी कार्य की विशालता में नहीं होता, उस कार्य को करने की भावना में होता है। - प्रस्तुत पाठ के आधार पर इस पंक्ति की समीक्षा कीजिए। [3]

उत्तर :

____

____

____

____

<u>चंद्रगुप्त विक्रमादित्य</u>

लेखक-प्रकाश नगायच

Q. 8

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए:

"उसे विश्वास हो गया था कि यदि रामगुप्त को मगध के राज-सिंहासन से न हटाया गया, तो गुप्त सामाज्य के साथ-साथ गुप्त वंश का गौरव, मान-मर्यादा सभी कुछ नष्ट हो जाएँगे।?"

1. यहाँ उसे शब्द का संबंध किस व्यक्ति के लिए किया गया है? उसका संक्षिप्त परिचय दीजिए। [2]

उत्तर :

____

____

____

2. रामगुप्त को मगध के राज-सिंहासन से हटाये जाने की आवश्यकता क्यों अनुभव की जा रही थी? [2]

उत्तर :

____

____

____

3. रामगुप्त का क्या निर्णय था? यह व्यक्ति इस समय रामगुप्त का विरोध क्यों नहीं कर पा रहा था? [3]

उत्तर :

____

____

____

____

4. मगध साम्राज्य की तत्कालीन परिस्थिति कैसी थी? सिदध कीजिए कि कायर व अयोग्य शासक देश के मान-सम्मान व गौरव को सुरक्षित रखने में असमर्थ होता है। [3]

उत्तर :

____

____

____

Q. 9

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए:

"लेकिन देवसेना, मैं अपने इस वचन का पालन न कर सका। रामगुप्त को संसार कायर है, लेकिन रामगुप्त कायर नहीं, कायर है चंद्रगुप्त जिसने अपने वचन का पालन न कर चुपचाप इतने बडेअन्याय को सह लिया।"

1. प्रस्तुत कथन का वक्ता कौन है? उसके एवं उसके पिता के विचारों में क्या समानता थी? [2]

   उत्तर :

2. वक्ता किस वचन की ओर संकेत कर रहा है? उस वचन का पालन क्यों नहीं किया जा सका? [2]

   उत्तर :

3. रामगुप्त कौन है? संसार उसे कायर क्यों कहता है? [3]

उत्तर :

4. परिस्थितियाँ वीर पुरुष को भी लाचार बना देती हैं।- प्रस्तुत पंकित को आधार बनाकर एक अनुच्छेद में अपने विचार दीजिए। [3]

उत्तर :

Q. 10

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए:

"आज हमने अपने पिता आर्य समुद्रगुप्त के ऋण को ही नहीं चुका दिया, बल्कि जननी जन्मभूमि के उस ऋण को भी चुका दिया है, जिसका बोझ जन्म से ही हमारे सिर पर था।"

1. उपर्युक्त पंक्तियों का संदर्भ स्पष्ट कीजिए। [2]

उत्तर :

2. आर्य समुद्रगुप्त कौन थे? उनका संक्षिप्त परिचय दीजिए। [2]

उत्तर :

3. समुद्रगुप्त का ऋण किसने, किस प्रकार चुकाया?

उत्तर :

4. 'जन्मभूमि' का व्यक्ति पर किस प्रकार का ऋण होता है? जन्मभूमि के ऋण को किस प्रकार चुकाया जा सकता है? एक अनुच्छेद में उत्तर दीजिए। [3]

उत्तर :

<u>एकांकी सुमन</u>

Q. 11

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए:

"सरकार को गाली ही दी जाती है। गोली चली, तो गाली देते हैं। बैंक लुट जाता है, तब भी गाली ही देते हैं।"

'सीमा-रेखा'

लेखक- विष्णु प्रभाकर

1. प्रस्तुत कथन का वक्ता कौन है? उसने ये वाक्य किससे और कब कहे ? [2]

   उत्तर :

2. 'सरकार को गाली ही दी जाती है'- कथन के आधार पर सरकार की मुश्किलों पर प्रकाश डालिए। [2]

3. श्रोता कौन है? श्रोता का चरित्र-चित्रण कीजिए। [3]

उत्तर :

4. 'जनतंत्र में सरकार और प्रजा एक-दूसरे के पूरक होते हैं।' एकांकी के आधार पर इस कथन के पक्ष में अपने विचार एक अनुच्छेद में लिखिए। [3]

उत्तर :

Q. 12

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए:

"नहीं मातुश्री, वे आपको कभी नहीं भूल सके, वे तो आपको सदैव स्मरण करते हैं। वे सब तरह से कुशल हैं, यदि उन्हें दु:ख है, तो केवल आपका ही दु:ख है। वीर लक्ष्मण भी सकुशल हैं। आप किसी प्रकार की चिंता ने करें। आपके प्रति प्रभु राम के हृदय में जों प्रेम है, उसकी थाह नहीं ली जा सकती।"

'राजरानी सीता'

लेखक - डॉ. रामकुमार वर्मा

1. 'मातुश्री' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है? हनुमान का संक्षिप्त परिचय दीजिए। [2]

उत्तर :

2. 'वे' शब्द का संबोधन किसके लिए गया है? उनके संबंध में श्रोता ने वक्ता से क्या-क्या कहा? संक्षेप में लिखिए। [2]

उत्तर :

3. इस समय श्रोता के हृदय में क्या संदेश था? वक्ता ने श्रोता के संदेह को कैसे दूर किया? [3]

उत्तर :

4. श्रोता की मनोदशा का वर्णन कीजिए और बताइए कि वक्ता के किन वचनों से श्रोता के मनोभावों में क्या अंतर आया। [3]

उत्तर :

Q. 13

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए:

“आज का जमाना ऐसा नहीं रहा। अगर हम बच्चों के साथ बहुत सख्ती करेंगे, तो बच्चे, आज नहीं तो कल, हमारा सामना जरुर करने लगेंगे। हमें ही झुकना होगा। क्या फायदा बहस से?”

भटकन

लेखक -शैल रस्तोगी

1. प्रस्तुत कथन का वक्ता कौन है? उसका परिचय दीजिए। [2]

   उत्तर :

2. वक्ता किसे समझा रहा है और क्यों। [2]

   उत्तर :

3. श्रोता पर वक्ता के इस कथन का क्या प्रभाव पड़ता है? वह क्या उत्तर देती है? [3]

उत्तर :

4. बच्चों और माता-पिता के बीच कब और क्यों दूरी पैदा हो जाती है? इस दूरी का क्या परिणाम होता है? [3]

उत्तर :

काव्य-चंद्रिका

Q. 14

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पदयांश को ध्यानपूर्वक पढिए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए:

लघु सुरधनु-से पंख पसारे-शीतल मलय-समीर सहारे,
उड़ते खग जिस ओर मुँह किये-समझ नीड़ निज प्यारा॥
बरसाती आँखों के बादल-बनते जहाँ भरे करुणा जल,
लहरें टकरातीं अनंत की-पाकर जहाँ किनारा॥
अरुण यह मधुमय देश हमारा।

'अरुण, यह मधुमय देश हमारा'
कवि - जयशंकर प्रसाद

1. शीतल मलय-समीर के सहारे के सहारे कौन और क्यों भारत आते हैं? [2]

उत्तर :

2. कवि ने बादलों के विषय में क्या बताया है तथा उनकी तुलना किससे की है? समझाकर लिखिए। [2]

उत्तर :

3. 'नीड़' और 'किनारा' शब्दों का प्रयोग किस संदर्भ में हुआ है? यहाँ कवि किसके विषय में, क्या सिदध करना चाहता है? [3]

उत्तर :

4. प्रस्तुत गीत कहाँ से लिया गया है तथा इस गीत का मूलभाव क्या है? [3]

उत्तर :

Q. 15

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पदयांश को ध्यानपूर्वक पढिए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए:

वर्षा के प्रिय स्वर उर में बुनते सम्मोहन,
प्रणयातुर शत कीट-विहग करते सुख-गायन!
मेघों का कोमल तम श्यामल तरूओं से छन!
मन में भू की अलस लालसा भरता गोपन!
रिमझिम-रिमझिम क्या कुछ कहते बूँदों के स्वर,
राम सिहर उठते, छूते वे भीतर अंतर!
धाराओं पर धाराएँ झरतीं धरती पर,
रज के कण-कण में तृण-तृण की पुलकावलि भर!

'सावन'

कवि-सुमित्रानंदन पंत

1. वर्षा के स्वर मन में क्या प्रतिक्रिया उत्पन्न करते हैं? [2]

उत्तर :

2. मेघों का कोमल तम श्यामल तरुओं से छन! [2]

मन में भू की अलस लालसा भरता गोपन! - पंक्तियों का भावार्थ लिखिए।

उत्तर :

____

____

____

3. बूँदों के स्वरों से रोम क्यों सिहर उठते हैं? समझाकर लिखिए। [3]

उत्तर :

____

____

____

____

4. मनुष्य के लिए सावन की क्या उपयोगिता है? [3]

उत्तर :

____

____

____

____

Q. 16

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पदयांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए:

वह चले झोंके कि काँपे
भीम कायावान भूधर,
जड-समंत उखड़-पुखड़कर
गिर पडे, टूटे विटप-वर
हाय! तिनकों से विनिर्मित
घोंसलों पर क्या न बीती,
डगमगाए जबकि कंकड़,
ईंट-पत्थर के महल-घर
बोल आशा के विहंगम,
किस जगह पर तू छिपा था,
जो गगन पर चढ़ उठाता
गर्व से निज तान फिर-फिर

'निर्माण'

कवि-हरिवंशराय 'बच्चन'

1. प्रस्तुत कविता के आधार पर बताइए कि आँधी ने किस-किस पर कैसा प्रभाव डाला? [2]

   उत्तर :

   ____

   ____

   ____

2. कवि ने घोंसलों की तुलना किससे और क्यों की है? [2]

उत्तर :

____

____

____

3. आशा के विहंगम पंक्ति का भाव स्पष्ट कीलिए। प्रस्तुत पंक्ति के दवारा कवि ने मनुष्य को क्या संदेश दिया है? [3]

उत्तर :

____

____

____

4. निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए: [3]

भीम, भूधर, विनिर्मित, विहंगम, गगन, विटप।

शब्द	अर्थ
• भीम	
• भूधर	
• विनिर्मित	
• विहंगम	
• गगन	
• विटप	